पत्र सूचना शाखा

(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

सनातन धर्म धार्मिक सहिष्णुता को प्रोत्साहित करता है : मुख्यमंत्री

हनुमान जी की शक्ति जहां पर होगी, वहां पर निर्भीकता आएगी और आतंकवाद के लिए कोई स्थान नहीं होगा

प्रधानमंत्री जी ने नौजवानों, महिलाओं, किसानों एवं मजदूरों सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई हैं

देश की प्रगति के लिए और अधिक राष्ट्र भक्ति विकसित करनी होगी

मुख्यमंत्री ने कानपुर में हनुमान जी महाराज के मन्दिर का लोकार्पण किया

लखनऊ : 07 सितम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा है कि सनातन धर्म धार्मिक सहिष्णुता को प्रोत्साहित करता है। हनुमान जी की शक्ति जहां पर होगी, वहां पर निर्भीकता आएगी और आतंकवाद के लिए कोई स्थान नहीं होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को बधाई देते हुए कहा कि राजनयिक प्रयासों से डोकलाम पर चीन को पीछे हटना पड़ा है। राष्ट्र भक्ति के कारण यह भावना व्याप्त हुई है। यह मात्र एक उदाहरण है। हम सभी को देश की प्रगति के लिए और अधिक राष्ट्र भक्ति विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नौजवानों, महिलाओं, किसानों एवं मजदूरों सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई हैं। प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी आज कानपुर में पं0 दीन दयाल सनातन धर्म विद्यालय, नवाबगंज में हनुमान जी महाराज के मन्दिर के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के आदर्शों व सिद्धान्तों के प्रति समर्पण की भावना का स्मरण करते हुए कहा कि हमें भी उनकी राह पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा ग्रहण करने का अर्थ मात्र नौकरी और पैसा कमाना रह गया है, इस सोच में परिवर्तन लाना होगा। उन्होंने कहा कि 11 सितम्बर, 1893 के दिन शिकागो में स्वामी विवेकानन्द जी का ऐतिहासिक भाषण हुआ था। उस दिन की स्मृति में पूरे देश में समारोह मनाया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान पं0 दीन दयाल सनातन धर्म विद्यालय में मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया गया और छात्रों द्वारा 'वन्देमातरम्' गायन प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री श्री सतीश महाना, खादी ग्रामोद्योग मंत्री श्री सत्यदेव पचौरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

———————